



## PROF. (DR.) DIGAMBAR BEHERA

Prof. (Dr.) Digambar Behera is the Senior Professor & Ex-Head of the Department of Pulmonary Medicine, Ex-Chairman of Group B Clinical Departments, and ex-Dean (Research) of the Postgraduate Institute of Medical Education & Research (PGIMER), Chandigarh. He was also the Director of the National Institute of Tuberculosis and Respiratory Diseases, New Delhi for a period of 5 years.

2. Born on 1st April, 1953, in a small village Khairapanga in Odisha to illiterate parents, Prof. (Dr.) Behera completed his Bachelor of Medicine degree (MMBS) from the SCB Medical College, Cuttack, Orissa and MD (Medicine) degree from the PGIMER in 1980. He also obtained diploma in Respiratory Medicine and General Medicine conducted by the National Academy of Medical Sciences (now known as National Board of Examination). He worked at PGIMER for over 30 years in various capacities retired as a Head of the Department of Pulmonary Medicine in March 2018. Subsequently, he was reappointed as a Professor in the same department and continuing as such till date.

3. Prof. (Dr.) Behera has established a Lung Cancer Clinic in PGIMER, Chandigarh since 1980's and the same is working till date. He has treated thousands of patients of Lung Cancer with cheap and affordable chemotherapy. He has established similar clinic at National Institute of Tuberculosis and Respiratory Diseases (NITRD), New Delhi. He is the founder President of the Indian Society for Study of Lung Cancer to spread the awareness in the scientific community about Lung Cancer associated problems in India. He has contributed immensely to the field of Revised National Tuberculosis Control Program (RNTCP) (now known as National Tuberculosis Elimination Program). As a Director of the NITRD, he was instrumental in developing newer diagnostic modalities, created BSLIII laboratories. For the treatment of Drug Resistant Tuberculosis patients, he created and established infection control TB words. He has taken leadership role in motivating over 500 medical colleges to be involved in RNTCP (now NTEP) as the Chairman of the National Task Force. He was also the Chairman of the National Operational Research Committee. He is involved in the TB Consortium Committees of ICMR. The other area of his work includes Indoor Air Pollution, smoking and various other lung diseases.

4. Prof. (Dr.) Behera is a Fellow and member of various national and international scientific societies related to his speciality. He is in the Executive Committee of National Academy of Medical Sciences. He was a President of National College of Chest Physicians and now he is elected as the President of Indian Chest Society for the year 2021-22. He was also in the Executive Body Member of the International Union Against Tuberculosis and Lung Disease (IUATLD).He has over 550 scientific publications in various reputed scientific Medical journals. He has authored two text books on Pulmonary Medicine and Respiratory Medicine besides books on Tuberculosis, Bronchial Asthma and Lung Cancer. He has also written chapters in over 40 books. He was one of the first to develop and introduce DM course in Pulmonary and Critical Care Medicine in India in 1989. Over 70 of his students after completing this course are now leading and heading many National and International Institutes and are eminent Chest Physicians.

5. Prof. (Dr.) Behera's work is recognized in the form of 28 National level awards including that by the Medical Council of India (Dr B C Roy award as Eminent Medical Teacher), and ICMR awards. He has 7 International level awards. He has attended over 80 scientific conferences as a speaker. He has also extensively travelled to various countries of the world for scientific pursuits.





## प्रो. (डॉ.) दिगंबर बेहरा

प्रो. (डॉ.) दिगंबर बेहरा पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंजुकेशन एंड रिसर्च (पीजीआईएमईआर), चंडीगढ़ के सीनियर प्रोफेसर और पल्मनरी मेडिसिन विभाग के पूर्व प्रमुख, ग्रुप बी क्लीनिकल डिपार्टमेंटों के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व डीन (रिसर्च) हैं। वह 5 साल तक नई दिल्ली में नेशनल इंस्टीरट्यूट ऑफ ट्यूबरकुलोसिस एंड रेस्पेरेटरी डिसिजिस, नई दिल्ली के निदेशक भी थे।

2. 1 अप्रैल 1953 को उड़ीसा के एक छोटे से गांव खैरापंगा में अनपढ़ माता–पिता की संतान के रूप में जन्में प्रो. (डॉ.) बेहरा ने एससीबी मेडिकल कॉलेज कटक, उड़ीसा से बैचलर ऑफ मेडिसिन (एमबीबीएस) की डिग्री ली और 1980 में पीजीआईएमईआर से एमडी (मेडिसिन) की डिग्री ली। उन्होंने नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज (अब नेशनल बोर्ड ऑफ इक्जामिनेशन) द्वारा आयोजित रेस्पेरेटरी मेडिसिन और जनरल मेडिसिन में डिप्लोमा भी प्राप्त किया। उन्होंने करीब 30 साल तक पीजीआईएमईआर में अलग–अलग पदों पर काम किया और मार्च 2018 में पल्मनरी मेडिसिन विभाग के प्रमुख के रूप में रिटायर हुए। इसके बाद उन्हें उसी विभाग में एक प्रोफेसर के रूप में नियुक्त किया गया और वह वर्तमान में इसी पद पर कार्य कर रहे हैं।

3. प्रो. (डॉ.) बेहरा ने 1980 के दशक में पीजीआईएमईआर, चंडीगढ़ में एक लंग कैंसर क्लीनिक की स्थापना की जो सक्रिय कार्य रहा रहा है। उन्होंने सस्ती और किफायती कीमोथैरेपी से हजारों लंग कैंसर रोगियों का उपचार किया है। उन्होंने नेशनल इंस्टींट्यूट ऑफ ट्यूबरक्यूरलोसिस एंड रेस्पेरेटरी डिसिजिस (एनआईटीआरडी), नई दिल्ली में भी ऐसा ही क्लीनिक स्थापित किया। वह भारत में लंग कैंसर से जुड़ी समस्याओं के बारे में वैज्ञानिक समाज में जागरूकता फैलाने के लिए स्थापित इंडियन सोसायटी फॉर स्टडी ऑफ लंग कैंसर के संस्थापक अध्यक्ष हैं। उन्होंने संशोधित राष्ट्रीय तपेदिक नियंत्रण कार्यक्रम (अब राष्ट्रीय तपेदिक उन्मूलन कार्यक्रम) में बहुत योगदान दिया है। एनआईटीआरडी के निदेशक के रूप में उन्होंने नई नैदानिक पद्धतियां विकसित करने में मदद की और बीएसएल III प्रयोगशालाओं की स्थापना की। दवा प्रतिरोधी टीबी मरीजों के इलाज के लिए, उन्होंने इंफेक्शन कंट्रोल टीबी वार्ड बनाए। उन्होंने नेशनल टास्क फोर्स के चेयरमैन के तौर पर अग्रणी भूमिका निभाते हुए, करीब 500 मेडिकल कॉलेजों को आरएनटीसीपी (अब इनटीईपी) में शामिल होने के लिए प्रेरित किया है। वह नेशनल ऑपरेशनल रिसर्च कमेटी के चेयरमैन भी थे। वह आईसीएमआर की टीबी कंर्सोटियम समितियों में भी शामिल हैं। उनके दूसरे कार्य क्षेत्र में वायु प्रदूषण, धूम्रपान और फेफड़ों की कई अन्य बीमारियां शामिल हैं।

4. प्रो. (डॉ.) बेहरा अपनी विशेषज्ञता से संबंधित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक सोसाइटियों के फैलो और सदस्य हैं। वह नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंसेज की कार्यकारी समिति में हैं। वह नेशनल कॉलेज ऑफ चेस्टस फिजीशियंस के अध्यक्ष थे और अब उन्हें वर्ष 2021–22 के लिए इंडियन चेस्ट सोसाइटी का अध्यक्ष चुना गया है। वह इंटरनेशनल यूनियन अगेंस्ट ट्यूबरक्यूलोसिस एंड लंग डिसिजिस की एक्जीक्यूटिव बॉडी के सदस्य भी थे। विभिन्न प्रतिष्ठित वैज्ञानिक मेडिकल पत्रिकाओं में उनके 550 से ज्यादा वैज्ञानिक लेख भी प्रकाशित हुए हैं। उन्होंने टीबी, ब्रोंकियल अस्थमा और लंग कैंसर पर पुस्तकें लिखने के अलावा, पल्मरी मेडिसिन और रेस्पेरेटरी मेडिसिन पर दो पाठ्य पुस्तकें भी लिखी हैं। उन्होंने 40 से अधिक किताबों में अध्याय भी लिखे हैं। वह 1989 में भारत में पल्मनरी और क्रिटिकल केयर मेडिसिन में डीएम कोर्स तैयार करने और उसे शुरू करने वाले पहले व्यक्ति थे। इस कोर्स को पूरा करने के बाद उनके 70 से अधिक विद्यार्थी अब कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के प्रमुख हैं और प्रसिद्ध चेस्ट फिजीशियन हैं।

5. प्रो. (डॉ.) बेहरा के कार्य के सम्मानस्वरूप, उन्हें राष्ट्रीय स्तर के 28 पुरस्कार प्रदान किए गए हैं, जिनमें मेडिकल काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा दिया जाने वाला पुरस्कार (सुप्रसिद्ध चिकित्सा शिक्षक के रूप में डॉ. बी.सी. रॉय अवार्ड) और आईसीएमआर पुरस्कार शामिल हैं। उन्हें 7 अंतरराष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार मिल चुके हैं। उन्होंने एक वक्ता के रूप में 80 से अधिक वैज्ञानिक कान्फ्रेंसों में हिस्सा लिया है। उन्होंने वैज्ञानिक कार्यों के लिए दुनिया के कई देशों की यात्राएं भी की हैं।